

## अध्याय - 10 | कोशिका चक्र और कोशिका विभाजन

- अर्धसूत्री विभाजन (Meiosis) का मुख्य उद्देश्य क्या है?
  - आनुवंशिक विविधता को कम करना
  - गुणसूत्रों की संख्या को दोगुना करना
  - गुणसूत्रों की संख्या को आधी करना
  - डीएनए की प्रतिकृति को रोकना(C)

**व्याख्या:** अर्धसूत्री विभाजन में द्विगुणित ( $2n$ ) कोशिका से एकगुणित ( $n$ ) कोशिकाएँ बनती हैं, जिससे गुणसूत्रों की संख्या आधी हो जाती है।

- अर्धसूत्री विभाजन की खोज किसने की थी?
  - फ्लेमिंग और स्ट्रासबर्ग
  - फार्मर और मूर
  - मेंडल और हक्सले
  - डार्विन और वॉट्सन(B)

**व्याख्या:** अर्धसूत्री विभाजन (Meiosis) का नाम 1905 में फार्मर और मूर ने दिया था।

- अर्धसूत्री विभाजन की दो मुख्य अवस्थाएँ कौन-सी हैं?
  - माइटोसिस-I और माइटोसिस-II
  - G1 और G2
  - अर्धसूत्री-I और अर्धसूत्री-II
  - प्रोफेज और टेलोफेज(C)

**व्याख्या:** अर्धसूत्री विभाजन दो अनुक्रमिक चक्रों में होता है — अर्धसूत्री-I और अर्धसूत्री-II।

- अर्धसूत्री-I को “चूनकारी विभाजन” क्यों कहा जाता है?
  - क्योंकि गुणसूत्रों की संख्या समान रहती है
  - क्योंकि गुणसूत्रों की संख्या आधी हो जाती है
  - क्योंकि डीएनए की मात्रा बढ़ जाती है
  - क्योंकि कोशिका विभाजन नहीं होता(B)

**व्याख्या:** अर्धसूत्री-I में द्विगुणित कोशिका से एकगुणित कोशिका बनती है, इसलिए इसे चूनकारी विभाजन कहा जाता है।

- प्रोफेज-1 को कितनी उपअवस्थाओं में बाँटा गया है?
  - तीन
  - पाँच
  - दो
  - चार(B)

**व्याख्या:** प्रोफेज-1 को पाँच उपअवस्थाओं में बाँटा गया है — लेटोटीन, जाइगोटीन, पैकीटीन, डिप्लोटीन, और डायकिनेसिस।

- सायनैप्सिस (Synapsis) किस अवस्था में होता है?
  - लेटोटीन
  - जाइगोटीन
  - पैकीटीन
  - डिप्लोटीन(B)

**व्याख्या:** जाइगोटीन अवस्था में समजात गुणसूत्र एक-दूसरे के निकट आकर जोड़े बनाते हैं, जिसे सायनैप्सिस कहते हैं।

- क्रॉसिंग ओवर (Crossing Over) किस अवस्था में होता है?
  - जाइगोटीन
  - पैकीटीन
  - डिप्लोटीन
  - डायकिनेसिस(B)

**व्याख्या:** पैकीटीन अवस्था में समजात गुणसूत्रों के असमजात क्रोमैटिड्स के बीच क्रॉसिंग ओवर (जीन आदान-प्रदान) होता है।

- चियास्मा (Chiasma) क्या है?
  - गुणसूत्रों का संकुचन स्थान
  - क्रॉसिंग ओवर स्थल का X आकार का भाग
  - केन्द्रक झिल्ली का भाग
  - डीएनए प्रतिकृति का क्षेत्र(B)

**व्याख्या:** डिप्लोटीन अवस्था में गुणसूत्रों के क्रॉसिंग ओवर बिंदु पर X आकार की संरचना बनती है, जिसे चियास्मा कहा जाता है।

- अर्धसूत्री विभाजन के दौरान डीएनए की प्रतिकृति कितनी बार होती है?
  - दो बार
  - एक बार
  - तीन बार
  - नहीं होती(B)

**व्याख्या:** अर्धसूत्री विभाजन में डीएनए की प्रतिकृति केवल एक बार होती है, जबकि विभाजन दो बार होता है।

- अर्धसूत्री-I के अंत में बनने वाली कोशिकाएँ कैसी होती हैं?
  - द्विगुणित
  - एकगुणित
  - त्रिगुणित
  - समान गुणसूत्र संख्या वाली(B)

**व्याख्या:** अर्धसूत्री-I के अंत में बनने वाली कोशिकाएँ एकगुणित (haploid) होती हैं, जिनमें गुणसूत्रों की संख्या आधी होती है।